पाठ 13. एक स्त्री का पत्र

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में प्रभावी संप्रेषण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे शाब्दिक और गैर-शाब्दिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने में समर्थ हो सकें। 'एक स्त्री का पत्र' में रबींद्रनाथ टैगोर ने जिस संवेदनशीलता और गहराई से स्त्री के शोषण से मुक्ति पाने के स्वर को आवाज़ दी है, वह प्रशंसनीय है। वास्तव में, 'एक स्त्री का पत्र', पत्र न होकर एक कहानी है जिसमें नारी की पीड़ा का और उससे मुक्ति के मार्ग का वर्णन किया गया है। इस प्रकार टैगोर ने यहाँ मृणाल बनकर स्त्रीमन के भीतर अपनी गहरी पैठ का परिचय दिया है।

पाठ का सार

मृणाल घर में मझली बहू बनकर आती है। इस प्रसंग में जैसा हमारा परंपरागत समाज है उसकी अच्छी और सच्ची तस्वीर पूरे कटु अनुभवों के साथ खींची गई है। पत्र-लेखिका के घर में उनकी जेठानी की बहन बिंदु का आकर रहना होता है। उसके ब्याह का नाटक एक दुखांत कहानी की तरह होता है। दुख में जो मनुष्य सहानुभूति रखता है, वह किस सीमा तक उससे जुड़ जाता है, इसे दिखाते हुए लेखक हमें हमारे सामाजिक परिवेश के स्त्री के अस्तित्व तथा अस्मिता को निगल जाने वाले वातावरण में ले जाता है। उसी वातावरण की जकड़न में पिसकर बिंदु ने आत्महत्या की और मृणाल ने समाज, परिवार और उसकी मान्यताओं के बंधन को तोड़कर कहानी के माध्यम से नये विचारों के लिए नया मार्ग प्रशस्त कर दिया।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  पाठ का मौन व मुखर वाचन करवाएँ। कविता लिखना एक अच्छी कला है फिर भी मझली बहू के ससुरालवालों को यह पसंद नहीं था, इसके बारे में प्रश्न पूछें। बिंदु और मझली बहू दोनों ही प्रताड़ना की शिकार बनी हैं। बच्चों की राय जानें कि उनकी दृष्टि में किस पात्रा का दुख अधिक है और उनकी सहानुभूति बिंदु से है या मझली बहू से या फिर दोनों से। उनसे इसका कारण भी पूछें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - उपसर्ग की परिभाषा दोहराएँ। अभ्यास में से छाँटे गए उपसर्गों से नये शब्द भी बनवाएँ। बच्चों द्वारा निर्मित शब्दों को तालिकाबद्ध करके श्यामपट्ट पर लिख दें और बच्चों को उन्हें याद कर लेने के लिए प्रेरित करें।
  - क्रिया की रीति, स्थान, काल व परिमाण की पहचान कराएँ ताकि बच्चे क्रियाविशेषण व उनके भेद बता सकें।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - समाचारपत्रों में आए दिन स्त्रियों पर हो रहे अत्याचारों से संबंधित घटनाएँ छपती रहती हैं। उनके बारे में चर्चा करें। इसके दुष्प्रभावों पर सामूहिक चर्चा करवाई जा सकती है।
  - समाज में किन-किन प्रकारों की असमानताएँ व्याप्त हैं, इस पर बच्चों से पूछताछ करें। बच्चों को बताएँ कि 'असमानता' को बढ़ावा देना अनैतिक है और इससे आक्रोश की भावना उभर सकती है।